University in News on 05 March 2021

TOI PAGE 4

LU scraps negative marking in UG entrance

Times News Network

Lucknow: Lucknow University will not deduct marks for wrong answers in its undergraduate entrance test from the new academic session. The varsity will begin its admission process from March 9 based on an entrance test, likely to be held in June, said LU spokesperson, Durgesh Srivastava. Last year, LU had admitted students on around 3,800 UG seats on merit basis due to the pandemic.

The entrance test will be multiple choice question based. Students will have to answer 100 questions in 90 minutes and for every correct answer four marks will be awarded but one mark will

A POSITIVE STEP

not be deducted for a wrong answer.

LU had introduced negative marking in 2016 when it had re-introduced the entrance test for admission to UG courses after a gap of around a decade. "The decision has been taken for better evaluation and knowledge testing of the students. Fearing the deduction, students didn't attempt all the questions, hence their overall knowledge was not tested," said a senior official.

The examination will be based on the syllabus class XII. Detailed information about the examination and admission process will be uploaded on the varsity's website on March 9. The entire process will be online from application to counselling and the only entrance test will be offline, he added.

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

इस बार प्रवेश परीक्षा में नहीं होगी निगेटिव मार्किंग

लविवि ने तेज की नए सत्र के प्रवेश की कवायद, जून में प्रस्तावित है परीक्षा

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय व सहयुक्त महाविद्यालयों में सत्र 2021-22 में स्नातक प्रवेश की कवायद तेज हो गई है। कोरोना काल के चलते विश्वविद्यालय प्रशासन ने इस बार विद्यार्थियों को राहत देते हुए निगेटिव मार्किंग नहीं करने का निर्णय लिया है। जल्द ही प्रवेश प्रक्रिया से जुड़ा विस्तृत कार्यक्रम व दिशा-निर्देश जारी किया जाएगा। विश्वविद्यालय प्रशासन ने पिछले साल कोविड के चलते मेरिट के आधार पर प्रवेश किए थे। अब स्थिति काफी सामान्य हैं। ऐसे में विश्वविद्यालय प्रशासन ने नए सत्र में प्रवेश परीक्षा के आयोजन की तैयारी शुरू कर दी है।

इससे पहले विश्वविद्यालय की प्रवेश परीक्षा बहुविकल्पीय प्रश्नों पर आधारित थी। पेपर में 100 सवाल पूछे गए थे। एक सवाल के सही जवाब पर 4 नंबर मिलते थे और गलत जवाब देने पर 1 नंबर कटता था। किंतु इस बार निगेटिव मार्किंग को समाप्त किया जा रहा है। विश्वविद्यालय प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने कहा कि इस साल स्नातक प्रवेश परीक्षा में निगेटिव मार्किंग को समाप्त करने का निर्णय लिया गया है। विद्यार्थियों को इससे राहत मिलेगी। नए सत्र में प्रवेश के लिए आवेदन प्रक्रिया 9 मार्च से शुरू होने वाली है। वहीं, प्रवेश परीक्षा जून में प्रस्तावित है।

सेल्फ फाइनेंस कोर्सों की देंगे अपडेट

लखनऊ विश्वविद्यालय सेल्फ फाइनेंस कोर्सों में प्रवेश आवेदन के साथ कोर्सों से जुड़े नियमों की अपडेट भी देगा। वहीं, प्रवेश परीक्षा परिणाम जारी करने के बाद यह भी बता दिया जाएगा कि किस-किस कोर्स में प्रवेश आवेदन निर्धारित नियमों के अनुसार नहीं आए और उसमें प्रवेश होंगे या नहीं। बता दें कि इस साल दो सेल्फ फाइनेंस कोर्सों में निर्धारित आवेदन न होने के कारण प्रवेश नहीं लिए गए, जिसे लेकर विद्यार्थी अभी भी परेशान हैं।

छह तक जमा करें छात्रवृत्ति आवेदन की कॉपी

लखनऊ विश्वविद्यालय प्रशासन ने सत्र 2020-21 में प्रवेशित विद्यार्थियों को समाज कल्याण विभाग के छात्रवृत्ति आवेदन का प्रिंट आउट 6 मार्च तक जमा कराने को कहा है। विद्यार्थी आवेदन फार्म की प्रति विवि में सीपीएमटी भवन स्थित छात्रवृत्ति काउंटर पर जमा करा सकते हैं।

राहत : पार्ट टाइम पीएचडी के लिए नहीं देनी होगी प्रवेश परीक्षा

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय नए सत्र से पार्ट टाइम पीएचडी भी कराएगा। इसके लिए नौकरी पेशा व्यक्ति को प्रवेश परीक्षा नहीं देनी होगी। इंडस्ट्री एकेडमिया को-आर्डिनेशन को बेहतर बनाने व नौकरीपेशा लोगों को पीएचडी कराने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय की विद्या व कार्य परिषद से ऑर्डिनेंस एप्रूव कराकर राजभवन भेजा गया था, जहां से इसे हरी झंडी मिल गई है, जिसके अनुसार अब प्रवेश प्रक्रिया पूरी की जाएगी। नियमानुसार इसके तहत हर विभाग में सुपर न्यूमरेरी सीट के रूप में इसका प्रवेश लिया जाएगा। प्रवेश लेने वाले अभ्यर्थी को अपने संस्थान के अध्यक्ष से एनओसी लेकर विश्वविद्यालय में जमा करानी होगी। ऐसे अभ्यर्थी को नियमित अटेंडेंस से छूट मिलेगी, लेकिन प्रति सेमेस्टर 6 दिन की अटेंडेंस अनिवार्य होंगी। ऐसे अभ्यर्थी को किसी भी तरह की फेलोशिप या स्कॉलरशिप नहीं दी जाएगी। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि पार्ट टाइम पीएचडी पूरी करने के लिए न्यूनतम समय सीमा चार साल व अधिकतम आठ साल रखी गई है। इसमें प्रवेश के लिए अलग प्रक्रिया अपनाई जाएगी। जब एक अभ्यर्थी की पीएचडी पूरी हो जाएगी तभी अर्ह शिक्षक दूसरे अभ्यर्थी को पार्ट टाइम पीएचडी के लिए रख सकेंगे। यह अपने तरह का अलग प्रयोग है और इसे लेकर नौकरी पेशा लोगों में काफी उत्साह भी है।

लखनऊ विश्वविद्यालय नए सत्र से लेगा प्रवेश, राइटअप, एकेडमिक योग्यता व इंटरव्यू होगा आधार

ऐसे मिलेगा दाखिला

पार्ट टाइम पीएचडी के लिए अलग से टेस्ट देना होगा, जिसमें 70 फीसदी वेटेज 1000 शब्द के राइटअप पर और 30 फीसदी उनके अनुभव, एकेडमिक योग्यता और इंटरव्यू पर मिलेगा। अभ्यर्थी को अपने क्षेत्र में पांच साल की सर्विस पूरी करना अनिवार्य होगा।

लविवि : प्रोवोस्ट व असिस्टेंट प्रोवोस्ट तैनात

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय प्रशासन ने छात्रावास में प्रोवोस्ट व असिस्टेंट प्रोवोस्ट के नाम पर मुहर लगाई है। इसके अनुसार प्रो. मोनिशा बनर्जी एडिशनल चीफ प्रोवोस्ट गर्ल्स व डॉ. अनूप सिंह एडिशनल चीफ प्रोवोस्ट पुरुष बनाए गए हैं। साथ ही चंद्रशेखर आजाद हॉल में प्रो. मोनिशा बनर्जी प्रोवोस्ट, डॉ. अमिता सोनकर असिस्टेंट प्रोवोस्ट बनाई गई हैं। डॉ. भीमराव अंबेडकर हॉल की प्रोवोस्ट डॉ. अर्चना सिंह होंगी। गोल्डन जुबली में प्रो. केया पांडेय प्रोवोस्ट, डॉ. शांभवी मिश्रा असिस्टेंट प्रोवोस्ट, कैलाश में प्रो. मनुका खन्ना प्रोवोस्ट, डॉ. अलका मिश्रा, डॉ. रोली वर्मा, डॉ. गरिमा सिंह असिस्टेंट प्रोवोस्ट बनाई गई हैं। निवेदिता में प्रो. अमिता कन्नौजिया प्रोवोस्ट, डॉ. रिचा बनर्जी असिस्टेंट प्रोवोस्ट बनाई गई हैं।

HINDUSTAN PAGE 6

एलयू में हॉस्टलों के प्रोवोस्ट बदले गए

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने गुरुवार को करीब एक दर्जन हॉस्टलों के प्रोवोस्ट और असिस्टेंट बनाए ' चंद्रशेखर आजाद हाल की प्रोवोस्ट मनीषा बनर्जी को और असिस्टेंट प्रोवोस्ट अमिता सोनकर को बनाया गया है ' डॉक्टर भीमराव अंबेडकर हाल की प्रोवोस्ट डॉ अर्चना सिंह होंगी, गोल्डन जुबली हॉल की प्रोवोस्ट डॉक्टर केया पांडे को बनाया गया है ' कैलाश हॉस्टल की प्रोवोस्ट मनुका खन्ना को बनाया गया है जबकि असिस्टेंट के रूप में अलका मिश्रा, रोली वर्मा, गरिमा सिंह को और निवेदिता हॉल की प्रोवोस्ट अमिता कनौजिया को बनाया गया है '

i-NEXT PAGE 4

6 माह में 6 दिन आना जरूरी

लखनऊ यूनिवर्सिटी में पहली बार शुरू होंगे पार्ट टाइम पीएचडी में एडमिशन

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (4 March): लखनऊ विश्वविद्यालय पहली बार पार्ट टाइम पीएचडी दाखिले शुरू करेगा. इसमें वही अभ्यर्थी दाखिले के लिए पात्र होंगे जो किसी भी संस्थान में पांच साल से नौकरी कर रहे हों. इनके दाखिले मेरिट के आधार पर होंगे. विवि द्वारा लागू किए गए पीएचडी आर्डिनेंस-2020 में यह व्यवस्था अनिवार्य की गई है.

सत्र एक साल लेट

एलयू में पीएचडी दाखिले का सत्र एक साल लेट चल रहा है. इस बार सत्र 2020-21 के दाखिले की प्रक्रिया शुरू होने वाली है. यूनिवर्सिटी ने बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी की तर्ज पर नौकरी के साथ शोध करने के लिए पार्ट टाइम पीएचडी कराने का फैसला लिया है. इसका आर्डिनेंस भी राजभवन से पास हो चुका है, जिसमें प्रवेश के लिए पांच साल की नौकरी की अनिवार्यता रखी गई है.

कोर्स वर्क में स्टूडेंट्स को छह माह में सिर्फ छह दिन ही क्लास में आने की अनिवार्यता.

छह महीने में छह दिन आएं

वीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि पार्ट टाइम पीएचडी में प्रवेश के लिए अभ्यर्थियों को अनुभव का वेटेज भी दिया जाएगा, क्योंकि कोई पांच साल तो कोई 20 साल से नौकरी कर रहा होगा और शोध करना चाहता है. इन अभ्यर्थियों को कोर्स वर्क में रोजाना उपस्थिति नहीं दर्ज करानी होगी. सिर्फ छह महीने में छह दिन की उपस्थिति अनिवार्य है लेकिन, कोर्स वर्क एग्जाम पास करना जरूरी है.

सुपर न्यूमैरिक सिस्टम होगा लागू

पार्ट टाइम पीएचडी के लिए सुपर न्यूमैरिक व्यवस्था लागू होगी यानी एसोसिएट प्रोफेसर और प्रोफेसर पार्ट टाइम पीएचडी करने वाले एक-एक शोधार्थी को अपने पास रजिस्टर्ड कर सकेंगे.

380 सीटों का ब्योरा आया

एलयू प्रशासन ने पीएचडी की सीटों का ब्योरा देने के लिए सभी विभागों को पहले 23 फरवरी और फिर 25 फरवरी तक मौका दिया. डीन एडमिशन प्रो. वीके शर्मा ने बताया कि अब तक पीएचडी की 380 सीटों की डिटेल आ गई है. हिन्दी, जूलाजी, फिजिक्स और अरेबिक से शुक्रवार तक सूचना देने के लिए कहा गया है.

नहीं आया यूजीसी से जवाब

रेगुलर पीएचडी दाखिले के लिए एलयू ने यूजीसी को पत्र भेजकर ईडब्ल्यूएस कोटे पर मार्गदर्शन मांगा था. प्रवेश प्रक्रिया शुरू होने वाली है और अभी तक यूजीसी से कोई जवाब नहीं आया है. ऐसे में विश्वविद्यालय पिछली बार की तरह ही व्यवस्था लागू कर सकता है.

JAGRAN CITY PAGE I

सुविधा | सुपर न्यूमैरिक सिस्टम के अनुसार हर शिक्षक को मिलेगी एक सीट, सत्र 2020-21 के दाखिले की प्रक्रिया होने वाली है शुरू

पार्ट टाइम पीएचडी के लिए पांच साल नौकरी अनिवार्य

जागरण संवाददाता, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय पहली बार पार्ट टाइम पीएचडी दाखिले शुरू करेगा। इसमें वही अभ्यर्थी दाखिले के लिए पात्र होंगे जो किसी भी संस्थान में पांच साल से नौकरी कर रहे हों। इनके दाखिले मेरिट के आधार पर होंगे। विवि द्वारा लागू किए गए पीएचडी आर्डिनेंस-2020 में यह व्यवस्था अनिवार्य की गई है।

लविवि में पीएचडी दाखिले का सत्र एक साल लेट चल रहा है। इस बार सत्र 2020-21 के दाखिले की प्रक्रिया शुरू होने वाली है। विवि ने बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी (बीएचयू) की तर्ज पर नौकरी के साथ शोध करने के लिए पार्ट टाइम पीएचडी कराने का फैसला लिया है। इसका आर्डिनेंस भी राजभवन से पास हो चुका है, जिसमें प्रवेश के लिए पांच साल की नौकरी की अनिवार्यता रखी गई है। लविवि प्रशासन के मुताबिक पार्ट टाइम पीएचडी दाखिले की प्रक्रिया मेरिट से होगी।

छह महीने में सिर्फ छह दिन की उपस्थिति

लविवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि पार्ट टाइम पीएचडी में प्रवेश के लिए अभ्यर्थियों को अनुभव का वेटेज (भारांक) भी दिया जाएगा, क्योंकि कोई पांच साल तो कोई 20 साल से नौकरी कर रहा होगा और शोध करना चाहता है। इन अभ्यर्थियों को कोर्स वर्क में रोजाना उपस्थिति नहीं दर्ज करानी होगी। सिर्फ छह महीने में छह दिन की उपस्थिति अनिवार्य है लेकिन, कोर्स वर्क की परीक्षा पास करना जरूरी होगा।

सुपर न्यूमैरिक सिस्टम होगा लागू

पार्ट टाइम पीएचडी के लिए सुपर न्यूमैरिक व्यवस्था लागू होगी यानी एसोसिएट प्रोफेसर और प्रोफेसर पार्ट टाइम पीएचडी करने वाले एक-एक शोधार्थी को अपने पास पंजीकृत कर सकेंगे। यह सीट पहले से निर्धारित सीटों से अलग होगी।

अभी नहीं आया यूजीसी से जवाब

रेगुलर पीएचडी दाखिले के लिए लविवि ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) को पत्र भेजकर ईडब्ल्यूएस कोटे पर मार्गदर्शन मांगा था। प्रवेश प्रक्रिया शुरू होने वाली है और अभी तक यूजीसी से कोई जवाब नहीं आया है। ऐसे में विश्वविद्यालय पिछली बार की तरह ही व्यवस्था लागू कर सकता है।

380 सीटों का ब्योरा आया

विवि प्रशासन ने पीएचडी की सीटों का ब्योरा देने के लिए सभी विभागों को पहले 23 फरवरी और फिर 25 फरवरी तक मौका दिया। डीन एडमिशन प्रो. वीके शर्मा ने बताया कि अब तक पीएचडी की 380 सीटों की डिटेल आ गईहै। हिन्दी, जूलाजी, फिजिक्स और अरेबिक से शुक्रवार तक सूचना देने के लिए कहा गया है।

लविवि छात्र सीखेंगे मछलियों के प्रजनन की तकनीक, बनेंगे उद्यमी

जासं, लखनऊ : लविविका जूलाजी विभाग छात्र-छात्राओं को पढ़ाई के साथ-साथ उनमें इंटरप्रेन्योरशिप विकसित करेगा। इसके लिए इंस्टीट्यूट आफ एडवांस मालीक्यूलर जेनेटिक्स एंड इन्फेक्टीयस डिजीज में परास्नातक स्तर पर 'फिश जेनेटिक एंड ब्रीडिंग' कोर्स शुरू किया जाएगा, जिसमें छात्र-छात्राओं को मछलियों के प्रजनन की तकनीक विकसित करने से लेकर उसकी प्रजातियों को बढ़ाने की ट्रेनिंग दी जाएगी। शुरुआत गिरई मछली की तीन प्रजातियों से करने की तैयारी है। इसका प्रस्ताव कुलपति को भेजा गया है। दरअसल, प्रदेश में गिरई मछली की 11 प्रजातियां पाई जाती हैं। इनमें तीन प्रजातियां चन्ना पंक्टेटस, चन्ना मरोलियस और चन्ना स्ट्राइएटस राजधानी में मिलती हैं। कोर्स के डायरेक्टर प्रो. एम सेराजुद्दीन बताते हैं कि गिरई मछली की उत्तर प्रदेश में सबसे ज्यादा मांग है। अभी तक जो बाजार में गिरई मछलियां बिक रही हैं, वे नदी या तालाब में प्राकृतिक प्रजनन से पैदा होती हैं। इसकी ब्रीडिंग की व्यवस्था नहीं है। इसलिए इससे संबंधित कोर्स शुरू किया जाएगा, जिसमें थ्योरी और प्रैक्टिकल के माध्यम से ब्रीडिंग की तकनीक विकसित करने, उससे रोजगार शुरू करने और नई प्रजाति विकसित करने की ट्रेनिंग दी जाएगी।

VoL PAGE 3

आयुर्वेद व यूनानी की परीक्षाएं आज से

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने यूनानी और आयुर्वेद के विषयों का परीक्षा कार्यक्रम जारी कर दिया है। परीक्षा केंद्र लविवि के पुराने परिसर ही होगा। करीब डेढ़ हजार छात्र परीक्षा देंगे। विस्तृत परीक्षा कार्यक्रम वेबसाइट ूण्सावनदप अर्णबण्पद पर जारी कर दिया गया है। यूनानी की परीक्षाएं दोपहर दो से शाम पांच बजे तक होंगी। बीयूएमएस प्रोफेशनल प्रथम वर्ष की परीक्षा 5 से 17 मार्च तक द्वितीय वर्ष की 6 से 20 मार्च तक तृतीय वर्ष की 5 से 19 मार्च और फाइनल ईयर की बैक पेपर परीक्षा 6 से 18 मार्च तक होगी। वहींए आयुर्वेद की परीक्षा सुबह नौ से दोपहर 12 बजे तक होगी। प्रोफेशनल की प्रथम वर्ष की परीक्षा 5 से 22 मार्च तक द्वितीय वर्ष की 6 से 20 मार्च तकए तृतीय वर्ष नवीन पाठ्यक्रम की परीक्षा 5 से 19 मार्च तकए तृतीय वर्ष प्राचीन पाठ्यक्रम की परीक्षा 5 से 22 मार्च तक और फाइनल ईयर परीक्षा 2017ए बैच 2011 प्राचीन पाठ्यक्रम 6 से 22 मार्च तक होगी।